31st October, 2021

Press Release

Wage revision of MOIL workers announced

In a major development, approval of the wage revision of MOIL workers was announced by Shri Nitin Gadkari, Hon'ble Minister for Road Transport & Highways and Shri Ram Chandra Prasad Singh, Hon'ble Minister of Steel, Government of India in a gala function organized at Nagpur on 31st October, 2021.

This wage revision is for 10 years' duration w.e.f 01.08.2017 up to 31.07.2027, benefitting close to 5,800 company employees. It is based on an MOU arrived between management and recognized union of MOIL i.e. MOIL Kamgar Sanghatan (MKS). The proposal includes fitment benefit of 20% and perks/allowances at the rate of 20%. An Interim relief @ 12% of Basic and DA was given by the company w.e.f May, 2019.

The company announced that it will be making the arrear payment in one go, which will have a financial impact of Rs. 218 crores approximately for the period it is due i.e. from 1st August, 2017 to 30th September, 2021. The total financial impact of the proposed wage revision will be about Rs.87 crores per annum. MOIL LIMITED has already made full provisions for this wage increase in the books of accounts.

In addition, the production linked bonus for all employees @ Rs 28,000/- for the year 2020-21 which will be paid before Deepawali was also announced.

The Hon'ble Ministers also inaugurated various MOIL facilities viz. are the second vertical shaft at Chikla Mine, Hospitals at its five mines' locations, Administrative Building, and Graduate Trainee Hostel at it mines on this occasion.

Various other dignitaries were present for the event, including Shri Faggan Singh Kulaste, Union State Minister for Steel and Rural Development, Shri Sunil Kedar, State Union Minister for Animal Husbandry, Dairy Development, Sports & Youth Welfare, Dr Vikas Mahatme, Member of Parliament, Rajya Sabha, Ms Sukriti Likhi AS&FA, MoS, Ms Ruchika

Choudhry Govil, Additional Secretary, MoS and Shri T Srinivas, Joint Secretary-MoS alongwith other guests.

Employees and various union members who had assembled in large numbers to listen to dignitaries were over joyed by these announcements and thanked Ministry of Steel profusely. On this occasion, Hon'ble Union Steel Minister, Shri RCP Singh, congratulated MOIL for its consistent performance and also exhorted them to be geared up to achieve bigger milestones in the future.

Ho'ble Steel Minister will also be visiting Balaghat mine on 1st November, 2021, which is the largest Manganese mine being operated by MOIL and is the deepest underground Manganese mine in Asia.

About MOIL: MOIL Limited is a Schedule-A, Miniratna Category-I CPSE under the administrative control of Ministry of Steel, Government of India. MOIL is the largest producer of manganese ore in the country and operates eleven mines in the State of Maharashtra and Madhya Pradesh. MOIL holds ~34% of manganese ore reserves of the country and is contributing ~ 45% of the domestic production. The company has ambitious vision of almost doubling its production to 25 lakh MT by FY 2024-25. MOIL is also exploring business opportunity in the State of Gujarat, other areas in the State of Madhya Pradesh, Rajasthan and Odisha.

31 अक्टूबर, 2021

प्रेस विज्ञप्ति

मॉयल कर्मचारियों के वेतन संशोधन की घोषणा

31 अक्टूबर, 2021 को नागपुर में आयोजित एक भव्य समारोह में श्री नितिन गडकरी, माननीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री और श्री राम चंद्र प्रसाद सिंह, माननीय इस्पात मंत्री, भारत सरकार द्वारा मॉयल श्रमिकों के लिये बड़ी उद्घघोषणा की गई ।

यह वेतन संशोधन 10 साल की अवधि 01.08.2017 से 31.07.2027 तक है, जिससे लगभग 5,800 कंपनी कर्मचारी लाभान्वित होंगे। यह प्रबंधन और मॉयल के मान्यता प्राप्त संघ यानी मॉयल कामगार संगठन (MKS) के बीच हुए एक समझौता ज्ञापन पर आधारित है। प्रस्ताव में 20% का फिटमेंट लाभ और 20% की दर से अनुलाभ/भत्ते शामिल हैं। कंपनी द्वारा मई, 2019 से बेसिक और डीए के 12% की दर से अंतरिम राहत दी गई।

हालांकि, कंपनी के लाभ और हानि खाते पर इसका कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा क्योंकि इस वेतन वृद्धि के लिए लेखा पुस्तकों में पूरा प्रावधान पहले ही किया गया है। प्रस्तावित वेतन संशोधन का कुल वित्तीय प्रभाव लगभग रु.87 करोड़ प्रति वर्ष होगा। कंपनी 1 अगस्त, 2017 से 30 सितंबर, 2021 तक की अवधि का बकाया राशि का भुगतान एक बार में ही कर देगी, जिससे लगभग 218 करोड़ रुपये का वित्तीय प्रभाव पड़ेगा। हालांकि, कंपनी के लाभ और हानि खाते पर इसका कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा क्योंकि इस वेतन वृद्धि के लिए लेखा पुस्तकों में पूरा प्रावधान पहले ही किया गया है। प्रस्तावित वेतन संशोधन का कुल वित्तीय प्रभाव लगभग रु.87 करोड़ प्रति वर्ष होगा।

इसके अलावा, सभी कर्मचारियों के लिए वर्ष 2020-21 के लिए उत्पादन से जुड़ा बोनस रुपये 28,000/- बोनस की भी घोषणा की, जिसका भुगतान दीपावली के पहले किया जाएगा।

इस अवसर पर माननीय मंत्रियों ने मॉयल की विभिन्न सुविधाओं का जिसमें चिकला खान में द्वितीय वर्टीकल शाफ्ट एवं चिकला, गुमगाँव, डोंगरी बुजुर्ग, तिरोड़ी एवं कान्द्री खान में नए अस्पताल एवं तिरोड़ी खान में नए प्रशासनिक भवन का उदघाटन किया गया तथा बालाघाट में ग्रेजुएट ट्रेनी हॉस्टल की सुविधा उपलब्ध करना शामिल है।

इस अवसर पर श्री फग्गन सिंह कुलस्ते, केंद्रीय इस्पात और ग्रामीण विकास राज्य मंत्री, श्री सुनील केदार, राज्य के केंद्रीय पशुपालन, डेयरी विकास, खेल और युवा कल्याण मंत्री, डॉ विकास महात्मे, राज्यसभा सांसद सुश्री सुकृति लिखी अतरिक्त सचिव एवं वित्त सलहकार, इस्पात मंत्रालय, सुश्री रुचिका गोविल, अतरिक्त सचिव और श्री टी श्रीनिवास, संयुक्त सचिव सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

कर्मचारी और विभिन्न यूनियन के सदस्य गणमान्य अतिथियों को सुनने के लिए बड़ी संख्या में एकत्रित हुए थे । वे इन घोषणाओं से अत्यधिक प्रसन्न हुए और उन्होंने इस्पात मंत्रालय को तहे दिल से धन्यवाद दिया। इस अवसर पर माननीय केंद्रीय इस्पात मंत्री, श्री आर.सी.पी. सिंह ने मॉयल को लगातार अच्छे प्रदर्शन के लिए बधाई दी और भविष्य में और भी बड़ी उपलब्धि हासिल करने हेतु तैयार रहने का भी आवाहन किया।

माननीय इस्पात मंत्री 1 नवंबर, 2021 को बालाघाट खदान का भी दौरा करेंगे, जो मॉयल द्वारा संचालित सबसे बड़ी मैंगनीज खदान है और एशिया की सबसे गहरी भूमिगत मैंगनीज खदान है।

अब कुछ बातें मॉयल के बारे में:

मॉयल लिमिटेड भारत सरकार के इस्पात मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत एक अनुसूची-ए, मैँ शामिल श्रेणी- । की एक मिनीरत्न सीपीएसई है। मॉयल देश में मैंगनीज अयस्क का सबसे बड़ा उत्पादक है और महाराष्ट्र तथा मध्य प्रदेश राज्य में ग्यारह खदानों का संचालन करता है। मॉयल के पास देश के 34% मैंगनीज अयस्क का भंडार है और यह घरेलू उत्पाद में 45% योगदान दे रहा है। कंपनी का वित्त वर्ष 2024-25 तक अपने उत्पादन को लगभग दोगुना करके 25 लाख मीट्रिक टन करने की महत्वाकांक्षी योजना है। मॉयल कारोबार के अवसर खोजने के लिये गुजरात के साथ साथ मध्य प्रदेश, राजस्थान और ओडिशा राज्य में भी कदम रखने के लिये प्रयत्नशील है।